श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्‌यालय

(केंद्रीय विश्वविद्‌यालय)

बी-04, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016

सत्यापन प्रमाणपत्र

(पुराणेतिहास:)

१. प्रमाणित किया जाता है कि शास्त्री में संचालित कक्षा के अनुसार सी.ओ., पी.ओ., पी.एस.ओ. एवं एल.ओ. का कार्य पूर्ण है।

२. प्रमाणित किया जाता है कि आचार्य में संचालित कक्षा के अनुसार सी.ओ., पी.ओ., पी.एस.ओ. एवं एल.ओ. का कार्य पूर्ण है।

३. प्रमाणित किया जाता है कि विशिष्टाचार्य में संचालित कक्षा के अनुसार सी.ओ., पी.ओ., पी.एस. ओ. एवं एल.ओ. का कार्य पूर्ण है।

05/09/2024

विभागाध्यक्ष हस्ताक्षर

नाम: प्रो॰ शीतला प्र॰ शुक्ल

दिनांक: 05/09/2024

सत्यापित
VERIFIED

09/09/24

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

विभाग - पुराणेतिहास

विशिष्टाचार्य (M.Phil)

द्वितीयसत्रम् - प्रथमपत्रम्

पाठ्यक्रमस्यपरिणाम:-(Courseoutcomes)

1. पुराणवाङ्गमस्य परिचयं ज्ञास्यति |
2. पुराणस्य दशलक्षणं ज्ञास्यति |
3. स्वविषयस्य नूतनतथ्यानां ज्ञानं ज्ञास्यति |
4. शोधप्रविध्यानुसारं स्वविषयस्य ज्ञानं ज्ञास्यति |
5. पुराणभाषा शैली विषयेषु ज्ञानं ज्ञास्यति |

अधिगम - परिणाम (Learning outcomes)

इकाई : 1.1 - विविधपौराणिक विषयेषु शास्त्र विषेयषु च गहनरूपेण चिन्तने समर्थो भविष्यति |

2. विषयणां समीक्षात्मकाध्ययने प्रवृत्ता: भविष्यन्ति|

2.1 प्राप्तज्ञानस्य समुचितं समायोजने समर्थो भविष्यति|

2.2 स्वविषयेषु नूतनतथ्यानां प्रतिपादनं समर्थो भविष्यति |

3.1 स्वविषयावान्तर शास्त्राणां सिद्धांता: समर्थो भविष्यति |

3.2 अनुसन्धान विधे:,विशेषाध्ययने कौशलप्राप्तौ च सिद्धा भविष्यति |

4.1 शोधप्रविध्यानुसारं स्वविषयस्य समुपस्थापनम् समर्थो भविष्यति |

4.2 सैद्धान्तिक तत्वानां ज्ञानं भविष्यति |

5.1 पुराणभाषा शैली प्रवर्धनम कर्तुं शक्यते|

5.2 पुराणस्य माध्यमेन धर्मस्य नियमानुशासनं च ज्ञानं भविष्यति |

कार्यक्रमस्य परिणाम: (Program outcomes)

1. स्वविषयस्य ज्ञानं भविष्यति |
2. पुराणवाङ्गमस्य ज्ञानं भविष्यति |
3. भावविकारकारण प्रकारं ज्ञास्यति |
4. आत्मतत्वनिरूपेण समर्थो भविष्यति|
5. पौराणिकविषयेषु अनुसंधानस्य प्रकाराणां ज्ञातुं समर्थो भविष्यति|

पुराणेतिहास विभाग
विशिष्टाचार्य (M.Phil)
प्रथमसत्रम्, प्रथमपत्रम्

पाठ्यक्रमस्य परिणामः. Course outcomes
१-पुराणवाङ्गमस्य परिचयं ज्ञास्यति।
२-भागवतग्रंथस्य मंगलश्लोकविषये ज्ञानं ज्ञास्यति।
३-ऋषिवंशपरंपराविषये ज्ञानं ज्ञास्यति।
४-विषयवस्तुनि सिद्धांतविषये ज्ञानं ज्ञास्यति।
५-स्वविषयानुकूलम् पौराणिकं शोधसर्वेक्षणं ज्ञानं ज्ञास्यति।

अधिगम- परिणाम
Learning outcomes
इकाई-
१-१-पुराणस्य परिचयं ज्ञात्वा तस्य व्याख्यातुं समर्थो भविष्यति।
२-पुराणस्य पञ्चलक्षणं ज्ञात्वा तस्य व्याख्यातुं समर्थो भविष्यति।
३--खगोलभूगोलविषये ज्ञानं भविष्यति।
२-१ पौराणिकविषयेषु अनुसंधानस्य प्रकाराणां समर्थो भविष्यति।
२-२-नूतनानि तथ्यानि प्रस्तुतुं समर्थो भविष्यति।
३-१-पौराणिकविषयाणां शोधप्रकाराः समर्थो भविष्यति।
३-२-सृष्टिकालीनः इतिहासस्य ज्ञानं प्राप्तुम समर्थो भविष्यति।
४-१-पौराणिकभाषाशैल्यानुसारं स्वविचारं प्रकटयितुं समर्थो भविष्यति।
२-निर्धारितग्रंथानाममध्यनेन सह प्रयोगिकं ज्ञानमपि भविष्यति।
५-१-निर्धारितग्रंथानामं मध्यनेन सह समीक्षणम् तथ्यान्वेषणे च समर्थो भविष्यति।
५-२-स्वविषये लिखितरूपेण मौखिकरूपेण च समर्थोभविष्यति।

कार्यक्रमस्य -परिणाम

१-पुराणेतिहास संबंधविषये ज्ञास्यति।
२-पुराणेषु वर्णितानां विविधविद्यानां परिज्ञानं भविष्यति।
३-अष्टादशपुराणविषये परिज्ञानं भविष्यति।
४-स्वविषयं प्रस्तुतुमं समर्थो भविष्यति।

पुराणेतिहास -विभाग
विशिष्टाचार्य (M. Phil)
द्वितीयसत्र -प्रथमपत्र

पाठ्यक्रम -परिणाम(course outcomes)

1-पुराणवाङ्गमय के परिचय को जान सकेंगे।
2-पुराण के 10 लक्षण जान सकेंगे।
3-अपने विषय से संबंधित नएतथ्यों को जान सकेंगे।
4-शोधप्रविध्या के अनुसार अपने विषय के विषय में जान सकेंगे।
5-पुराण की भाषाशैली के विषय में जान सकेंगे।

अधिगम- परिणाम
Learning outcomes

इकाई -

1-1-विभिन्न पौराणिक विषयों और शास्त्रों के विषय में गहन चिंतन कर सकेंगे।
2-अपने विषय की समीक्षा करने में समर्थ होंगे।
2-1-प्राप्त ज्ञान का उचित ढंग से समायोजन कर सकेंगे।
2-अपने विषय से संबंधित नए तथ्यों का प्रतिपादन कर सकेंगे।
3-1-अपने विषय से संबंधित शास्त्रों के सिद्धांतों को बता सकेंगे।
2-अनुसंधान विधि विशेष अध्ययन और कौशल प्राप्त में निपुण होंगे।
4-1-शोध प्रविधि के अनुसार अपने विषय को प्रस्तुत कर सकेंगे।
2-सिद्धांतिक तत्वों का ज्ञान हो सकेगा।
5-1-पुराणों की भाषाशैली का विस्तार कर सकेंगे।
2-पुराणों के माध्यम से धर्म के नियम और अनुशासन का ज्ञान होगा।

कार्यक्रम -परिणाम
Program outcomes

1-अपने विषय का ज्ञान होगा।
2-पुराणवाङ्गमय के विषय में ज्ञान होगा।
3-भाविकार के कारण और प्रकार का ज्ञान होगा।
4-आत्मतत्व की विवेचना करने में समर्थन।
5-पौराणिक विषयों के अनुसंधान के तरीके का ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होगा।

पुराणेतिहास- विभाग
विशिष्टाचार्य
प्रथमसत्र -प्रथमपत्र

पाठ्यक्रम परिणाम -course outcomes

1-पुराणवाङ्गमय के परिचय को जान सकेगा।
2-भागवतग्रंथ के मंगलश्लोकों को जान सकेगा।
3-ऋषिवंशपरंपरा के विषय में जान सकेंगे।
4-विषयवस्तु के सिद्धांत को जान सकेंगे।
5-अपने विषय के अनुसार पौराणिक अनुसंधान और सर्वेक्षण के विषय को जान सकेंगे।

अधिगम- परिणाम
Learning outcomes

1-पुराण का परिचय प्राप्त करके उसकी व्याख्या कर सकेंगे।
2-पुराण के पञ्चलक्षण की व्याख्या कर सकेंगे।
3-खगोल और भूगोल के विषय में ज्ञान होगा।
2-1-पौराणिक विषयों में अनुसंधान के तरीके को समझने में समर्थ होंगे।
2-नए तथ्यों को प्रस्तुत कर सकेंगे।
3-1-पौराणिक विषयों के शोध के तरीके को समझ सकेंगे।
2-सृष्टिकलीं इतिहास का ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होंगे।
4-1-पौराणिक विषयों के शोध विधि में पारंगत हो सकेंगे।
2-पुराण की भाषा शैली के अनुसार अपने विचार प्रकट करने में समर्थ होंगे।
5-1-निर्धारित ग्रंथों के अध्ययन के साथ-साथ समीक्षण और तथ्यान्वेषण कर सकेंगे।
2-अपने विषय में लिखित और मौखिक रूप से समर्थ होंगे।

कार्यक्रम -परिणाम
Program outcomes
1-पुराण और इतिहास का आपस में क्या संबंध है बता सकेंगे।
2-पुराणों में वर्णित विविध वि विद्याओं के विषय में बता सकेंगे।
3-18 पुराणों के विषय में ज्ञान होगा।
4-अपने विषय को प्रस्तुत करने में समर्थ होंगे।